



धर्म प्राप्ति के लिए हमें धर्म के पास आना होगा, तब ही हम धर्म को समझ सकते हैं।

To attain religion we will have to be in close proximity of religion then alone we can understand what religion is.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री ने तहसील बगीचा में प्रधानमंत्री जननम योजना अंतर्गत कार्यक्रम में आम जनता का संबोधित किया

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 187 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, मंगलवार 16 जनवरी 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रुपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजना अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित प्रधानमंत्री मोदी ने जशपुर जिले के कुटमा ग्राम पंचायत के सलरवाड़ की पहाड़ी कोरवा महिला से किया संवाद

रायपुर (विश्व परिवार)

प्रधानमंत्री जी, हम लोग पहाड़ी कोरवा हैं। पहाड़ में रहते हैं। एक दो किलोमीटर चलकर ढोड़ी-काँवां जाते थे और यहां का गंदा पानी पीने विश्व थे। इसपे अपरसर लटी-दस्त हो जाती थी। अब सच्च पानी मिल रहा है। घर भी बन गया और बिजली भी लग गई। यह बात जशपुर जिले से जननम संगी और विशेष पिछड़ी पहाड़ी कोरवा जनजाति की महिला श्रीमती मनकुंवारी बाई ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से प्रधानमंत्री न्याय महा अभियान पीएम जननम योजना के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम से आयोजित कार्यक्रम के दौरान संवाद में कही।

अपना परिचय देते हुए श्रीमती मनकुंवारी ने कहा कि जशपुर जिले के ग्राम पंचायत कुटमा के गांव सलरवाड़ से हैं। मेरे परिवार में पांच सदस्य रहते हैं। प्रधानमंत्री ने उन्हें पूछा कि आपको किन योजनाओं का लाभ मिला। मनकुंवारी ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर मिला, बिजली भी लग गई। नलजल आ गया, गैस आ गया। प्रधानमंत्री

मुंबई (आरएनएस) | केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें बड़ी बहन का मुंबई में निधन, गृहमंत्री के अगले दो दिनों के कार्यक्रम रद्द की। जशपुर के मुख्यमंत्री एकान्त शिंदे और उद्योगपति मुकेश अंतर्वानी ने उन्से मुलाकात की निजी अस्पाताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। राजेश्वरीनं (65) साल की थी। उनका अमितदावाद के एक अस्पाताल में फेफड़े के प्रत्यारोपण के बाद इलाज चल रहा था, और बाद में उन्हें मुंबई के एक अस्पाताल में रेफर कर दिया गया।

पिछले हफ्ते, शाह ने दक्षिण मुंबई के एचएस रिलायंस फाउंडेशन अस्पाताल में उनसे मुलाकात की

कोहरे की मारः द्रेन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी : शशि थरूर

नई दिल्ली (आरएनएस) | राजधानी दिल्ली संघ परे उत्तर भारत में इस समय रहे और शीतलहर ने कोहराम मचा दिया। इसी आ रसी ना सिर्फ ट्रेनों लेट हो रही है, बल्कि फ्लाइट में भी देरी हो रही है। भीषण कोहरे की स्थिति के बीच, इंटरियो गांधी इंरेनेशन एथरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एक एडवायरी जारी की है, जिसमें अनुरोध किया गया है कि वे यात्रा से पहले एयरलाइंस से संपर्क करें। जातकारी के अनुसार एथरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एक एडवायरी जारी की है, जिसमें अनुरोध किया गया है कि वे यात्रा से जारी करें। उन्होंने एयरपोर्ट पर क्रॉसिंग के बाद अमित शाह के दौरान जानकारी के लिए संवाद एथरपोर्ट पर उड़ान संचालन प्रभावित हो सकता है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अद्यतन उड़ान जानकारी के लिए संवाद एथरपोर्ट पर करें। बता दें कि इससे पहले गविन को, पूरे उत्तर भारत में कम दृश्यता और घने कोहरे की स्थिति ने इंडिया के उड़ान संचालन को प्रभावित किया।



कोहिंकोड़ (आरएनएस) | इस बात पर जरूर देते हुए कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेंगी, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि ऐसी संभावना है कि मौजूदा सरकार का संख्या बल थोड़ा कम हो सकता है। जानकारी के अनुसार एथरपोर्ट पर क्रॉसिंग के बाद अमित शाह का दौरा हो रहा है, जिसमें अनुरोध किया गया है कि वे यात्रा से जारी करें। उन्होंने एयरपोर्ट पर क्रॉसिंग के बाद अमित शाह के दौरान जानकारी के लिए संवाद एथरपोर्ट पर करें। बता दें कि इससे पहले गविन को, पूरे उत्तर भारत में कम दृश्यता और घने कोहरे की स्थिति ने इंडिया के उड़ान संचालन को प्रभावित किया।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने ज्यादा से ज्यादा गांवों में शत-प्रतिशत घरों में नल से पानी पहुंचाना सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सभी घरों में नल लगने के बाद तुरंत सर्टिफिकेशन कराकर जल आपूर्ति की व्यवस्था ग्राम पंचायत को हैंडओवर करने के दिए निर्देश



रायपुर (विश्व परिवार) | केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज अपने एक दिवसीय छठीसगढ़ प्रवास के दौरान राज्य में जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) को प्राप्ति की समीक्षा की। उन्होंने उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य योग्यकी मंत्री श्री अरुण साव, जल संसाधन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री सुनील सोनी, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन संचालक श्री विकास शील, निरेशक श्री वाई.के. सिंह, लोक स्वास्थ्य योग्यकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अद्वलाहक और वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य के ज्यादा से ज्यादा गांवों में शत-प्रतिशत घरों में नल से पानी पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसे

गांवों में जहां 90 प्रतिशत से अधिक घरों में पानी पहुंचना चाहू हो गया है, उन गांवों में जल दें जिला मिशन निर्धारित सीमा से अधिक

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

गांवों में जल सभी घरों में नल से जल

विन्ध्य पार भाजपा की ज्यादा तैयारी!

एकनाथ शिंदे के खेमें का असली शिवसेना घोषित होना अंहम सियासी संकेत है। इससे 48 लोकसभा सीटों की चुनावी तस्वीर साफ हुई है। महाराष्ट्र में भाजपा अकेले अपने दम पर, अधिकाधिक सीटों पर लड़डी। शिंदे और अजित पवार के लोगों को भाजपा 48 में से दस सीटे बांटे तो बड़ी बात होगी लोनों के जमीनी आधार को लेकर भाजपा गलतफहमी में नहीं है। सबने माना हुआ था कि शिंदे गुट की ठाकरे परिवार के भगवा वोटों पर पकड़ नहीं है। सो पहली बात भाजपा बनाम ठाकरे परिवार के बीच अगला चुनाव आर-पार का है। भाजपा की पहली प्राथमिकता मुंबई, थाने, पूणे की पट्टी से ठाकरे पार्टी के सफाए की होगी। भाजपा राम मंदिर की हवा और नरेंद्र मोदी के चेहरे पर महाराष्ट्र में वैसे ही परिणामों की उम्मीद में है जैसे उत्तरप्रदेश में उम्मीद है। सोचे, यदि यूपी में भाजपा 80 में से 75 सीटे जीते और महाराष्ट्र की 48 में से चालीस सीटे जीते तो मई के चुनावों में भाजपा की 400 सीटों का हल्का साकार हो सकता है। क्या ऐसा सिनेरियों उद्घव ठाकरे, शरद पवार, कांग्रेस नेता, अखिलेश और मायावती को समझ आ रहा होगा? ये इस हिसाब से क्या कोई करों-मरों वाली चुनावी तैयारियां करते हुए हैं। हाँ, अव्याध्या में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की हवा काफी हद तक अखिल भारतीय होनी है। नरेंद्र मोदी, अमित शाह आदि भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना की चुनिंदा सीटों पर जैसा ध्यान दिया है वह चौंकाने वाला है। पिछले चुनावों में 30 प्रतिशत के आसपास के भाजपा वोटों वाली तमाम सीटों पर माइक्रों लेवल पर भाजपा-संघ नेता काम करते हुए है। जैसे भाजपा चुनाव में नेताओं के भाषणों की शुरूआत कॉरपेट बमबारी से करती है और माहौल बनाती है वैसे ही इस बार विन्यू पार भाजपा बड़ा हल्काबोल बनाएगी। केंद्रीय मरियों और नायी चेहरों को चुनाव में उत्तरेगी तो चुएक-एक संभव सीट पर विपक्ष की फूट का फायदा उठा कर 35 प्रतिशत वोटों से सीट जीतने की मेहनत करेगी। ध्यान रहे केरल, तमिलनाडु में भी ऐसी पांच-छह सीटे हैं जहां भाजपा को 25-30 प्रतिशत वोट मिले हुए हैं। सो यदि केरल में कांग्रेस-लेफ्ट फ्रंट चुनाव में आमने-सामने हुए (जिसकी संभावना है) तो भाजपा चुनाव में पांच-आठ प्रतिशत बढ़वा कर कुछ सीटों पर अनहोनी कर सकती है।

विचार

अडियल रुख छोड़े चीन, एलएसी पर सेना का जमावड़ा

आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने भारत-चीन सीमा के ताजा हालात पर जो कहा, वह दोनों देशों के बीच चल रहे गतिरोध पर भारत के कड़े रुख को दर्शाता है। सेना प्रमुख ने साफ-साफ कहा कि सीमा पर भारी संख्या में सैनिकों की तैनाती तब तक रहेगी जब तक वहां हालात नहीं बदलते। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का पहला उद्देश्य सीमा पर 2020 मध्य से पहले की स्थिति बहाल करना है। जब यह हो जाएगा, तभी अन्य बातों पर विचार किया जाएगा। दो दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में भी भारत-चीन संबंधों में आए गतिरोध पर ऐसी ही बात कही थी। उन्होंने साफ किया था कि जब तक स्टेट्स को आंटे (यानी यथास्थिति से पहले की स्थिति) बहाल नहीं की जाती तब तक संबंधों में बेहतरी की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। स मामले में शुरू से भारत अपने इस रुख पर कायम है। अगर दोनों देशों के रिश्तों को देखा जाए तो सीमा को लेकर मतभेद तो हमेशा रहे। मगर इसके बावजूद विश्वास का माहौल बन गया था, जिसके आधार पर न केवल सीमा पर लंबे समय से शांति बनी हुई थी बल्कि द्विपक्षीय सहयोग और व्यापार भी फल-फूल रहा था। अप्रैल-मई 2020 में चीन की एकतरफा कार्रवाई से वह स्थिति बदली और दोनों देशों के बीच टकराव का नया दौर शुरू हुआ। ऐसे में जब तक सीमा पर उस कार्रवाई से पहले वाली स्थिति बहाल नहीं की जाती, तब तक यह कहने का क्या अर्थ है कि बीती बातों को भूलकर नए सिरे से सहयोग शुरू किया जाए? यही मूल बिंदु है जहां बात आगे नहीं बढ़ रही। सैन्य और कूटनीतिक वार्ताओं के दौर पर दौर हुए, कुछ बातों पर सहमति भी बनी लेकिन 2020 मध्य से पहले की स्थिति बहाल करना तो दूर, चीन बचे हुए दो प्रमुख स्थानों देपसांग और देमचोक पर सैन्य उपस्थिति कम करने को भी राजी नहीं हो रहा। यही वजह है कि भारत ने भी खुद को इस बात के लिए तैयार कर लिया है कि सीमा पर बना यह गतिरोध लंबे समय तक चल सकता है। इस पर 50 हजार से ज्यादा सैनिकों के लिए रहने की जगह तो पहले ही बन चुकी थी, वहां इसी हिसाब से इनकास्ट्रक्टर बनाने और कनेक्टिविटी डिवेलप करने की भी प्रक्रिया चल रही है। हालांकि इस पर इतनी बड़ी संख्या में फौज की मौजूदगी लगातार बनाए रखना दोनों देशों के लिए न केवल कठिन है बल्कि संसाधनों की बर्बादी भी है। इसलिए यह दोनों के हक में है कि मध्य 2020 से पहले की स्थिति बहाल कर संबंधों में भी पुराना विश्वास कायम करने की कोशिश की जाए। चीन इस बात को जितनी जल्दी समझ ले

ਤਾਲਟੋਕ ਹੁਕਮਾਨ ਥੈਰਾਪੀਸ ਕਾ ਇਨਕਾਰ

हालांकि बहुतों को लगता है, मगर मुझे नहीं लगता कि 22 को अयोध्या पहुंचने के फ़रमान को सरयू में तिरोहित कर देने के कांग्रेसी निर्णय से उसे कोई चुनावी नुकसान होगा। उलटे इस से भारतीय जनता पार्टी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तमाम सहयोगी संगठनों की नीति पर प्रश्नचिह्न लग गया है ज्ञान्यता है कि प्रभु श्रीराम ईसा से 5114 साल पहले जनवरी महीने की दस तारीख को जन्मे थे। तब चैत्र महीने का शुक्ल पक्ष था। इस दिन हम हर साल रामनवमी मनाते हैं। इस वर्ष रामनवमी 18 अप्रैल को है। इसलिए सोनिया गांधी इस रामनवमी पर रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएं। मलिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी जाएं तो और अच्छा। 22 जनवरी को श्रीराम मदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा भेजा गया रामलला के कथित प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण कांग्रेस ने ‘बहुत आदरपूर्वक’ अस्वीकार कर दिया। इस के बाद सारा ‘मोशा मीडिया’ कांग्रेस पर पिल पड़ा। उस ने छोटे परदे और कागजी पत्रों के दस्तरखावान पर अपने समर्थक विशेषज्ञों को ऐसा परोसा, ऐसा परोसा कि इस मसले पर देश की भावनाएं उफन-उफन कर अपने गर्म सैलाब में सारे बुनियादी सवालों को बहा ले जाएं। मैं तो बहुत खुश हूं कि अर्णवों, अंजनाओं, नाविकाओं और उन के अनुवर्ती चट्टोबट्टों के फेंके तमाम पथरों के बावजूद भारत के सर्वसमावेशी आसमान में कोई सूराख नहीं हुआ। हो सकता है कि अपनी अस्वीकृति का ऐलान करने के प्रारूप की वाक्य संरचना गढ़ने में कांग्रेस ने उतनी परिपक्ता से काम नहीं लिया हो।

महिलाओं के लिहाज से बीता साल

हेमलता म्हस्के

पिछले साल के दिसंबर में जारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) रिपोर्ट के मुताबिक 2021 की तुलना में भारत में महिलाओं के खिलाफ रजिस्टर्ड अपराधों में 4 पैसेंसी की बढ़ोतारी हुई है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि जब तक देश में महिलाओं के अनुरूप सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचे में बदलाव नहीं आते, महिलाओं पर अत्याचार कम नहीं होगे। उल्लेखनीय है कि महिलाओं ने इस साल विकास की प्रक्रियाओं में भी अपनी शानदार भागीदारी के झंडे गाड़े हैं। इस साल चंद्रयान-तीन की सफलता पूरे देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। चंद्रयान-3 की मुख्य निदेशक एक महिला ही थी जो 'राकेट वूमेन' के नाम से जानी जाती है। देश और दुनिया में इस सफलता को हासिल करने में राकेट वूमेन के साथ पचास और अन्य महिलाएं भी शामिल थीं। चंद्रयान-3 की सफलता यह बता रही है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाएं कहीं से भी कम नहीं हैं। पिछले कुछ दशकों में महिलाओं ने पुरुषों के वर्चस्व बाले क्षेत्रों में भी कुशलता का परिचय दिया है आठ जनवरी 2024 को आए सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले में महिलाओं की जीत हुई है। कोर्ट ने बिलकिस बाने मामले में आरोपियों की रिहाई का सख्त नोटिस लिया है और उन्हें पिस से सलाखों के पीछे डालने का आदेश दिया है। इस मामले में न्याय की जीत हुई है। साथ ही यह मामला यह भी दर्शा रहा है कि सरकारें अक्सर महिलाओं के मामलों में संवेदनशील नहीं रहती हैं। इस वर्ष के इस फैसले ने यह जरूरी कर दिया है कि हम यह देखें कि बीता साल महिलाओं के मामलों में कैसा रहा। महिलाओं के लिहाज से पिछले साल का लेखा-जोखा किया जाए तो उनके खाते में कोई खास बेहतरी नजर नहीं आती। कुछ बड़ी उपलब्धियों के अलावा अनेक हिंसक कार्रवाइयां हैं जो महिलाओं को दोयम दर्जे का सावित करती हैं। इसके बावजूद महिलाओं ने कई उपलब्धियां हासिल की और समाज को महिलाओं के मामलों में संवेदनशीलता के साथ विचार करने के



पिछले साल के दिसंबर में जारी राष्ट्रीय अपराध रिपोर्ट ब्यूरो (एनसीआरबी) रिपोर्ट के मुताबिक 2021 की तुलना में भारत में महिलाओं के खिलाफ रजिस्टर्ड अपराधों में 4 प्रैसदी की बढ़ोतरी हुई है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि जब तक देश में महिलाओं के अनुरूप सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचे में बदलाव नहीं आते, महिलाओं पर अत्याचार कम नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि महिलाओं ने इस साल विकास की प्रक्रियाओं में भी अपनी शानदार भागीदारी के झांडे गाड़े हैं। इस साल चंद्रयान-3 की सफलता पूरे देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। चंद्रयान-3 की मुख्य निदेशक एक महिला ही थी जो 'राकेट वूमेन' के नाम से जानी जाती हैं।

पिछले साल के दिसंबर में जारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉव्यूरो (एनसीआरबी) रिपोर्ट के मुताबिक 2021 व तुलना में भारत में महिलाओं के खिलाफ रजिस्टरेशन अपराधों में 4 फैसदी की बढ़ातरी हुई है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि जब तक देश में महिलाओं के अनुरूप सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचों में बदलाव नहीं आते, महिलाओं पर अत्याचार करनी होगें। उल्लेखनीय है कि महिलाओं ने इस सामाजिक क्रियाओं में भी अपनी शानदार भागीदारी के झांडे गाड़े हैं। इस साल चंद्रयान-तीन की सफलता पूरे देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। चंद्रयान-तीन की मुख्य निदेशक एक महिला ही थी जो 'राकेत'

'वूमन' के नाम से जाना जाता है। देश और दुनिया में इस सफलता को हासिल करने में राकेट वूमन के साथ पचास और अन्य महिलाएं भी शामिल थीं। चंद्रयान-3 की सफलता यह बता रही है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाएं कहीं से भी कम नहीं हैं। पिछले कुछ दशकों में अपने क्षेत्रों के अलावा महिलाओं ने पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्रों में भी कुशलता का परिचय दिया है, कामयाबी के परचम लहराए हैं। उन्होंने सांबित किया है कि वे अब किसी से कम नहीं हैं। वहीं यह दुखद और शर्मनाक है कि महिलाओं पर अत्याचार घर में और बाहर भी बढ़े हैं। दुर्गति यह है कि महिलाओं पर अत्याचार करने वाले को सजा नहीं मिलती और महिलाओं को उन्हीं के हवाले छोड़ दिया जाता है जो उन पर अत्याचार करते हैं। महिलाओं के साथ यह भी विडंबना है कि उन पर जब कभी अत्याचार होता है तो दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई होने के बजाय महिलाओं पर ही दोष मढ़ दिया जाता है। अब जरा अपराध के आंकड़े पर गौर करें। वर्ष 2022 की एनसीआरबी रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 445256 मामले दर्ज किए गए, वहीं 2021 में यह संख्या 428278 थी। रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में 2020 के मामलों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 15.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत महिलाओं के खिलाफ ज्यादातर मामले 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा करूरत' (31.4 प्रतिशत) के थे। इसके बाद महिलाओं का अपहरण (19.2 प्रतिशत), शील भंग (गरिमा को ठेस पहुंचाने) करने के इरादे से महिलाओं पर हमले के तहत (18.7 प्रतिशत) और बलात्कार (7.1 प्रतिशत) के मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2022 में दिल्ली में लगातार तीसरे साल 14158 मामलों के साथ महानगरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के तहत सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए। 'महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उन पर हमला' और 'महिलाओं के अपहरण' के तहत दर्ज मामलों में दिल्ली 19 महानगरों में आगे रही। सभी राज्यों में उत्तरप्रदेश महिलाओं के खिलाफ दर्ज मामलों में सबसे ज्यादा 65743 की संख्या के साथ पिर से सूची में सबसे ऊपर है।

चुनाव में क्या अर्थिकी, माली दशा के मुद्दे होंगे

अजात द्विवदा

पिछले लाकसभा चुनाव को एक खास बात यह थी कि उसमें अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दे चुनावी राजनीति का हिस्सा नहीं थे। चुनाव में व्यापक रूप से राजनीतिक, धार्मिक व राष्ट्रवाद के मसले हावी रहे थे। आमतौर पर जब चुनाव इस तरह के मुद्दों पर होते हैं तब यथास्थिति बनी रहती है। भारत में या दुनिया के दूसरे देशों में भी जब जनता के जीवन से जुड़े मुद्दे उठाए जाते हैं तभी सत्ता बदल की संभावना पैदा होती है। जैसे 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा ने उठाया था। तब महागाई सबसे बड़ा मुद्दा थी। भ्रष्टाचार का मुद्दा भी था लेकिन उसमें एक पहलू सबसे ज्यादा हावी था काले धन का। कहा जा रहा था कि दुनिया में भारत से भेजा गया चार सौ लाख करोड़ रुपए का काला धन जमा है, जिसे नरेंद्र मोदी जीते तो वापस ले आएंगे और उससे भारत की बरबाद हो चुकी अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी जाएगी। लेकिन इसके बाद हुए चुनाव में यानी 2019 में विपक्ष प्रभावी तरीके से यह मुद्दा नहीं उठा सका कि चार सौ लाख करोड़ रुपए का काला धन कहाँ है? अर्थक मुद्दों से जनता का ध्यान हट कर दूसरे मुद्दों पर चला गया था। जनता पुलवामा की घटना की बात कर रही थी या उरी व बालाकोट के सजिकल स्ट्राइक की चर्चा हो रही थी। यानी जो दो घटनाएँ भारत को चपरासी बनाए रखती हैं, वे जनता को आकड़ा देश का अर्थव्यवस्था का सहा तस्वीर दिखाते हैं। यह सवाल इसलिए है कि योंकि जब आप इन आंकड़ों की बारीकी में जाएंगे तो कहूं चिंता में डालने वाली चीजें दिखेंगी। जैसे राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में कृषि सेक्टर की विकास दर 1.8 फीसदी रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में यह चार फीसदी रही थी। सोचें, जीडीपी में कृषि सेक्टर का योगदान 15 फीसदी के आसपास है और अब भी सबसे बड़ी आबादी रोजगार और आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, उस सेक्टर में विकास की दर सिर्फ 1.8 फीसदी है! जब हम आम लोगों के जीवन से जुड़े मुद्दों की बात करते हैं तो एक समस्या यहां दिखाई देती है। भारत के नौजवानों का मन खेती में नहीं लग रहा है और इसलिए लगातार कृषि कार्य से वर्कफोर्स बाहर निकल रही है। परंतु मुश्किल यह है कि दूसरे सेक्टर में नौकरियां पर्याप्त संख्या में नहीं बढ़ रही हैं। गुणवत्ता वाली नौकरियों का तो देश में अकाल हो गया है। इसका नतीजा यह है कि ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट या इंजीनियरिंग, एमबीए की डिग्री वाले नौजवान चपरासी और जू-कीपर की नौकरियों के लिए आवेदन कर रहे हैं। इसी आंकड़े को बारीकी से देखें तो उसमें यह भी दिखाई देता है कि उपभोक्ता वर्ष में वित्त वर्ष 1.1 फीसदी है जो वित्त वर्ष

वर्ष में 4.5 फीसदी था। इसका मतलब है कि कोरोना वायरस की महामारी के बाद उपभोक्ता खर्च में जो कमी आई थी वह पुराने स्तर पर नहीं लौटी है और निकट भविष्य में उसके लौटने की संभावना भी नहीं दिख रही है। उसका कारण यह है कि गुणवत्ता वाली नौकरियां कम हो रही हैं और पूँजी का केंद्रीकरण चुनिंदा लोगों के हाथ में हो रहा है, जिससे आम लोगों की खर्च करने की क्षमता लगातार कम होती जा रही है। देश में तीन या चार फीसदी के करीब सुपर स्पेंडर हैं यानी खुल कर खर्च करने वाले हैं, जिनकी वजह से अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर दिखाई दे रही है लेकिन वह असली तस्वीर नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था का एक अंकड़ा यह भी है कि 10 लाख से कम कीमत की गाड़ियों की बिक्री ठहर गई है, जबकि एक करोड़ या उससे ज्यादा कीमत की गाड़ियां धड़ले से बिक रही हैं। दिल्ली एनसीआर से लेकर मुंबई, बैंगलुरु तक कम कीमत के मकान बन कर बिना बिके बगैर पड़े हैं, जबकि महंगे अपार्टमेंट की बिक्री हाथों-हाथ हो रही है। असल में सरकार ने बहुत होशियारी से अर्थव्यवस्था की बड़ी तस्वीर यानी मैट्रो इकॉनोमी का प्रबंधन किया है। ऊंची विकास दर दिखाई दे रही है, महंगाई दर काबू में हो गई है, विदेशी मुद्रा भंडार भरा हुआ है और मीडिया के जरिए यह माहौल बना हुआ है कि चीन से कारोबारियों का मन चला गया है तो यहां आएंगा यह भी है।

बच्चों, मीडिया कर्मियों की कश्तगाह...

श्रुति व्यास,

गाजा की वाहेल दहूद की दुनिया कतरा-कतरा करक बिखर रही है। तीन दिन पहले, वाहेल ने अपने परिवार के पांचवे सदस्य, सबसे बड़े बेटे हमजा दह को दफनाया। चार महीने पहले उड़ोने अपनी पत्नी, 15 साल के बेटे, 7 साल की बेटी और 18 माह की पोती को सुपुर्देखाक किया था। परिवार के ये सभी लोग इजरायली हवाई हमलों में मरे गए थे। बावजूद इसके वाहेल की हिम्मत टूटी नहीं है। वे इजराइल द्वारा गाजा में किए जा रहे नरसंहर को दुनिया को दिखाने में जुटे हुए हैं। वाहेल दहूद, अल जज़ीरा के गाजा ब्यूरो चीफ हैं। उनके पत्र हमजा भी अल जज़ीरा के मंत्रालयात्रा शे

A man with short brown hair, wearing a white face mask and a black and white plaid shirt, is shown from the side and slightly from behind. He is holding a professional video camera with a large lens and a microphone attached, pointing it towards the right. The background is a solid blue color with several stylized, yellow-orange sun-like icons scattered across it. The overall composition suggests a theme of media coverage or journalism during a sunny day.

अब तक किसी पत्रकार ने अपनी जान नहीं खोई है। मगर गाजा में मारे गए पत्रकारों की संख्या द्वितीय विश्वयुद्ध में मृत पत्रकारों की संख्या (69) से अधिक हो गई है। वियतनाम युद्ध में 63 पत्रकारों ने जान गंवाई थी और सीपीजे के अनुसार, ईराक में 2003 से लेकर अब तक 283 पत्रकार मारे हैं जिनमें युद्ध के पहले माह छह मार्च 2003 और अप्रैल 2003 के बीच छह मारे गए 11 पत्रकार भी शामिल हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि इजराइल-गाजा युद्ध अब तक के युद्धों में पत्रकारों, बच्चों, शिशुओं, महिलाओं, मानवता और सभ्यता के लिए सबसे घातक रहा है; और उसके प्रभावितों की संख्या भविष्य में और बढ़ेगी। एक विभीषिका के बाद दूसरी, एक नरसंहार के बाद दूसरा, हर दिन के हर घंटे में हो रहा है लेकिन इसके खिलाफ नाराजगी नजर नहीं आती। दुनिया के नेता अब भी इतने दब्बू और डरपोक बने हुए हैं कि वे साफ शब्दों में बीबी से विनाश और मौतें रोकने के लिए नहीं कह पा रहे हैं। दुनिया भर का मीडिया इतना भयभीत है कि वो लाईव टीवी पर



चुपचाप गाजा को मलबे का ढेर बनता दिखा रहा है परं खरी-खरी कहने की हिम्मत किसी की नहीं है। जब इजराइल ने विदेशी पत्रकारों के गाजा में प्रवेश पायांदी लगाई, तो जान हथेली पर रखकर सारी दुनिया को सच्चाई बताने का दायित्व फिलिस्तीनी पत्रकारों पर आ गया। जैसा कि रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने कहा इजराइल गाजा को मीडिया कवरेज से पूरी तरह महसूस करने के बहुत निकट पहुंच चुका है। अब केवल फिलिस्तीनी ही वहां से सच्चाई बयां कर रहे हैं औं औं एक-एक करके उन्हें भी खामोश किया जा रहा है। पत्रकार भी साधारण नागरिक हैं और गाजा में कोई भी स्थान उनके लिए महफूज नहीं है। इस छोटे से इलाके में लगातार चल रहे इजराइल के अंधाधुंध हमलों से सभी को खतरा है। पत्रकार अस्पतालों से खबरें दे रहे हैं, लेकिन अस्पतालों को भी निशाना बनाया जा रहा है। वे सुरक्षित स्थान की तलाश में जा रहे लोगों वे काफिलों की खबरें दे रहे हैं, लेकिन उन काफिलों पर भी हमले हो रहे हैं। मरने वालों पत्रकारों की बढ़ती

संक्षिप्त समाचार

अवैध धान परिवहन व भंडारण
पर प्रशासन सख्त

गरियाबंद(विश्व परिवार) कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर जिले में अवैध धान परिवहन व भंडारण पर प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है अधिकारी - कर्मचारियों द्वारा सक्रिय होकर लगातार जिले के सीमावर्ती खेतों में जहां ओडिशा प्रांत से धान आवक होने की संभावना होती है वहां अवैध कोटियों, बिचौलियों एवं व्यापरियों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है जिला खाद्य अधिकारी सुधीर चंद्र गुरु ने बताया कि कल देर रात अन्तरराज्यीय चेपोस्ट भंडारणमाल में ओडिशा से जिले में धान खपाने के लिए लाए रहे उठाव क्रमांक सीजी 04 एम्के 6750 से 60 बोरी धान जस किया गया। इसी तरह वाहन क्रमांक सीजी 2168 से 60 बोरी धान राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग की टीम द्वारा जस कर कार्यवाही की गई। इसी तरह 11 जनवरी को सहायक खाद्य अधिकारी मदन मोहन साह एवं रविशंकर कोमरा की टीम ने वाहन क्रमांक सीजी 4 जेडी 0957 से 60 बोरी धान जस कर वाहन चालक के विरुद्ध बायवाही की गई। इसके अलावा निर्माण केत्रों पिटा बालेश्वर केत्रों निवासी कुम्हदीखुर्द देवघोष द्वारा खुशांग चेपोस्ट के बायपास पार्किंग के रस्ते से ओडिशा से लाए हुए तुआसमाल चौंक पास पकड़ लिया गया जिसे देवघोष थाना में सुपुर्ण किया गया है। उक्त वाहन चालक के विरुद्ध मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राम दरबार में भगवान राम की पूजा-अर्चना की

राजनांदगाव(विश्व परिवार)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज जई रोड रिश्त राम दरबार में भगवान राम की पूजा-अर्चना की और प्रदेश के सुख-समृद्ध एवं खुशहाली को माना। विधानसभा अध्यक्ष ने जनसामाजिक से आगरा की गयी। विधानसभा अध्यक्ष के दिन अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव के आयोजन के पहले शहर के सभी मंदिर प्रांगण एवं आस-पास साफ-सफाई अवश्य करें। उन्होंने कहा कि स्वस्त्र होकर नारायणिक साफ-सफाई अधिनियम में भाग ले तथा मंदिर परिसर एवं परिवेश को स्वच्छ बनाएं और मंदिरों में 22 जनवरी को दीप जलाएं। जनसामाजिक में अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव में शामिल होकर अपनी सहभागिता निभाएं। इस दौरान जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, नगर निगम आयुक अधिकारी गुप्ता, एसडीएम अरुण वर्मा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोयला कामगारों को
बजट का इंतजार

कोरबा(विश्व परिवार)। एसईसीएल कोरबा पूर्व केंद्रीय कमशला के कामगारों को इस महाने एक साड़े ड्यूटी ही मिला है। बजट में से आने वाले दिनों में सण्डे ड्यूटी को देने के सभी भावना भी कम बर्ताव जा रही है। यहीं पर एक साड़े ड्यूटी दिया गया है। यहां के श्रमिक संगठन बजट के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इंटक के विकास शुक्ला ने बताया कि इसे लिए सभी भावना भी केंद्रीय कमशला के कामगारों को देने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीय कमशला कोरबा के श्रमिकों को देने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

मुक्केबाजी संघ के नूतन सिंह टाकुर बने उपाध्यक्ष

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश मुक्केबाजी संघ को वर्ष 2024-25 के लिए चुनाव भिलाई में शनिवार को संपन्न हुआ। बाकिसंग फेंडरेशन आफॉइडिया के उपाध्यक्ष अनिल बैंडिंगर और छत्तीसगढ़ आलोंपैक संघ के बैशीर अहमद खान बतौर परिवेशक चुनाव में मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के 22 प्रतिनिधियों ने मतदान कर नई कार्यकारिणी का चयन किया। कोरबा जिला बाकिसंग संघ के सचिव नूतनसिंह टाकुर (अधिकारी) को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं अध्यक्ष पद पर दुर्गा के आर राजेन्द्र, राजगांव के चूडामणि टाकुर महासंचिव, भिलाई के सुरेश कुमार कोषाध्यक्ष पद पर भारी मतों से चिह्निया रहे। नूतनसिंह टाकुर के प्रदेश उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर जिला बाकिसंग संघ कोरबा के संरक्षक गोपाल मोटी, अध्यक्ष शशि सिंह, उपाध्यक्ष सुफलदास पांडें, रवि सिंह चंद्रेल पांडें, श्रेष्ठ सिंह टाकुर, सुनेन्द्र सिंह, अजित शर्मा, दउवा यादव, ईश्वर दास, ने बधायां दी।

संग्रहण केन्द्रों से धान उठाव में धीमी गति की समीक्षा करने कलेक्टर ने ली राइस मिलर्स की बैठक

मिलर्सवार समीक्षा करते हुए शीघ्रता से उठाव करने के लिए कहा

कांकेर(विश्व परिवार)।



वजह से कितिपय संग्रहण केन्द्रों में जाम की स्थिति निर्मित हो गई है। वहीं निर्धारित मात्रा में चालव भी जमा नहीं हो पा रहा है। अगर

दौरान कलेक्टर ने अवरोध दूर करते हुए दूरहाल में धान उठाव और चालव जमा करने का अनुपात संतुलित करने के लिए कहा।

बैठक में मिलर्स ने अपनी विभिन्न सम्पर्कों से कलेक्टर को अवधारणा कराया, जिस पर उन्होंने शासन स्तर पर प्रवाचन कर इसकी जानकारी देने व अवरोधों को दूर करने हेतु आवश्यक पहल करने की बात कही। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि खरीदार जिसमें आज दोपहर को आयोजित बैठक में कलेक्टर सभाकक्ष में आज दोपहर को आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सिलसलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि धान का उठाव समय पर नहीं हो पा रहा है। इसके बाद बैठक में उपस्थित सभी राइस मिलर्स से इसमें तेजी लाने के लिए समितियों में अब तक कुल 3 लाख 79 214 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है, जिनमें 03 लाख 4 हजार 63 मीट्रिक टन का

समितियों में आवक धान का दो दिन के भीतर

करें मौतिक सत्यापन - कलेक्टर

धान के अवैध स्तरीयी, बिक्री, भण्डारण एवं परिवहन पर कर्तृ की कार्यवाही

गरियाबंद(विश्व परिवार)।

कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल

ने धान खरीदी के केन्द्रों में आवक

सत्यापन करने के लिए दिये हैं।

उन्होंने सीमावर्ती इलाकों से

अवैध की आवक की विवरण

करने के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

इनमें संलिप्त धान जाने वालों

पर कड़ी कार्यवाही करने के

लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

कलेक्टर ने अवैध

कर्तृ की कार्यवाही

के लिए दिये हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड एवं प्रकृति की ओर द्वारा लगे पृष्ठ फल सभी प्रदर्शनी का समाप्त



रायपुर (विश्व परिवार)। 13 जनवरी से गांधी उद्यान में लगी पृष्ठ एवं फल सभी प्रदर्शनी का समाप्त हो गया। इसमें सभी माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

प्रदेश में आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय श्री मोतीलाल साहू, विधायक रायपुर यामीन, दंतेवाड़ा में माननीय विधायक श्री चैतराम अटामी के मुख्य अतिथि एवं संबंधित जिला कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षकों एवं अन्य विशिष्ट जिन्होंने गरिमामय उपस्थिति में 'हेलमेट-बाईक रेली' को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉर्मर्स द्वारा आयोजित चैंबर प्रीमियर लीग क्रिकेट का आयोजन



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉर्मर्स द्वारा आयोजित चैंबर प्रीमियर लीग क्रिकेट का आयोजन सुधार रेस्टिंगम में किया जा रहा है। आज के मैच के मुख्य अतिथि के रूप में एडवराइजिंग एजिसीज एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अधिकारों के संग दौरा किया गया।

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉर्मर्स द्वारा आयोजित चैंबर प्रीमियर लीग क्रिकेट का आयोजन



इंडियन ओवरसीज बैंक को वित्तीय रिपोर्टिंग 2022-23 में उत्कृष्टता के लिए अवार्ड से सम्मानित किया गया



रायपुर (विश्व परिवार)। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में से एक, इंडियन ओवरसीज बैंक को रायपुर, छत्तीसगढ़ में दिनांक 13.01.24 को आयोजित एक समारोह में वित्तीय रिपोर्टिंग 2022-23 में उत्कृष्टता के लिए इंटरटेक्यूट ऑफ वार्टर्ट आकार्टेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा अवार्ड से सम्मानित किया गया। आईओआई महाप्रबंधक महेश कुमार एसपी, जो बैंक के मुख्य वित्तीय अधिकारी भी हैं, उन्होंने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विजयदेव साय और कृषि और सिंचाई मंत्री, श्री वृजमोहन अग्रवाल से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

फैलैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने शुरू किया हर दिन तिरंगा शपथ अभियान



रायपुर (विश्व परिवार)। जाने-माने उद्योगपति श्री नवीन जिंदल के नेतृत्व में देशभूमि में राष्ट्रपति की अलख जाया रहे फैलैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने शिवाया देर शाम नई दिल्ली के कार्नॉट प्लेटरियम में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर दिया। इस अभियान में कोई भी भाग ले सकता है। इसके लिए फैलैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर जाकर शपथ लेनी होगी, जिसके लिए खास प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार फैलैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने 13 जनवरी 2024 को रह पर लोगों से रोज तिरंगा फहराने और तिरंगे के माध्यम से देश प्रदर्शन करने का अनुरोध किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियंशु कुमार जैन द्वारा मैं विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, लॉन्ट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उत्तर इंडस्ट्रीय इलाया उत्तरा, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं आलेप्स जिम के पांच, सेक्टर-1, शेकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771-4017966, मो. - 9981924252 RNLNO.CHHHIN/2013/50354

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय सङ्कर सुरक्षा माह 2024 का आगाज

रायपुर (विश्व परिवार)। जनसामान्य, सङ्कर उपयोगकर्ताओं को सड़क सुरक्षा की ओर चुनौती और चुनौती के संबंध में जागरूकता के लिये प्रदेश के सर्गुजा से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

प्रदेश में आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। 13 जनवरी से गांधी उद्यान में लगी पृष्ठ एवं फल सभी प्रदर्शनी का समाप्त हो गया। इसमें सभी माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम, राजधानी रायपुर में माननीय वृजमोहन अग्रवाल ने किया। सभी स्टॉल्स में जाकर सभी स्टॉल्स की जानकारी ली एवं विवरण से लेकर रायपुर महासंग्रह सहित समस्त जिलों में सड़क सुरक्षा माह 2024 का आगाज किया गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कवीराशाम,